विशेष आवरण/SPECIAL COVER

डोकरा शिल्प DOKRA CRAFT

Azadi Ka Amrit Mahotsav

ढोकरा या डोकरा आदिवासी कला का एक सुंदर रूप है जो आदिवासी शिल्पकारों की अपार प्रतिभा को प्रदर्शित करता है। यह तकनीक शिल्प के सबसे पुराने रूपों में से एक है जो पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा के बिकना गांव में अभी भी प्रचलित है। इस तकनीक में डोकरा के कलाकार पहले हिंदू या आदिवासी देवी-देवताओं, मापने के कटोरे, आभूषणों की मूर्तियां बनाते थे लेकिन आजकल वे लोगों या देवताओं, हाथी की सवारी, संगीतज्ञों, घुड़सवारों, हाथियों, मयूरों एवं अन्य सजावटी समानों की मूर्तियां बनाते हैं। यह 'विशेष आवरण' इस विशिष्ट कला रूप के स्मरणार्थ जारी किया जा रहा है।

The Dhokra or Dokra is a beautiful form of tribal art that showcases the immense talent of tribal craftsmen. This technology is one of the oldest forms of craft that is still practiced in Bikna Vilage of Bankura, West Bengal. In this technique Dokra artists cast the images of Hindu or tribal God, goddesses, measuring bowls, ornaments earlier but now-a-day they cast figures of people or deities, riding elephant, Musicians, horse riders, elephants, peacocks and many more decorative items. A 'Special Cover' is being released to commemorate this distinct art form.

भारतीय डाक
India Post

मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, द्वारा अनुमोदित
पश्चिम बंगाल सर्किल
भारतीय डाक विभाग

Approved by The Chief Postmaster General,
West Bengal Circle,
Department of Posts.

Code No.-WB/02/2023

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

विशेष आवरण/SPECIAL COVER
बिष्णुपुर संगीत घराना
BISHNUPUR MUSIC GHARANA
Azadi Ka Amrit Mahotsav

बिष्णुपुर संगीत घराना (उर्फ बिष्णुपुर घराना) गायन का रूप है जो भारतीय शास्त्रीय संगीत के दो रूपों में से एक - हिन्दुस्तानी संगीत की ध्रुपद परंपरा का अनुसरण करता है। इस शैली में कलाकार सरल शैली में 'आलाप' के जरिये अलंकार विहीन राग छेड़ता है। इसकी व्युत्पत्ति और विकास से इस घराने के भीतर शिक्षण एवं विकास में काफी स्पष्टता आई है। इस घराने को पश्चिम बंगाल में एक-मात्र गायन घराना होने का भी गौरव प्राप्त है। यह 'विशेष आवरण' इस घराने द्वारा संगीत जगत में किए गए व्यापक येगदान के स्मरणार्थ जारी किया जा रहा है।

The Bishnupur Music Gharana (a.k.a Vishnupur Gharana) is a form of singing that follows the Dhrupad tradition of Hindustani music, one of the two forms of Indian classical music. In this style, the artist elaborates on the Raga through the 'ALAP' in a simple fashion, devoid of ornamentation. Its origins and development have led to a great openness in the teaching and evolution within this Gharana. It also has the distinction of being the only vocal Gharana in West Bengal. A 'Special Cover' is being released to commemorate the contribution made by this Gharana to the music fraternity at large.

भारतीय डाक
India Post

मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, द्वारा अनुमोदित
पश्चिम बंगाल सर्किल
भारतीय डाक विभाग

Approved by The Chief Postmaster General,
West Bengal Circle,
Department of Posts.

Code No.-WB/03/2023

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर